बाबा जी का यह उद्देश्य।
विश्व गुरु हो भारत देश।।

जय गुरु देव
बाबा जयगुरुदेव आश्रम

शराब मांस को दूर हटाओ।
धरती पर सतयुग ले आओ।।

परम् सन्त बाबा जयगगुरुदेव जी महाराज

सम्बद्ध : बाबा जयगुरुदेव धर्म विकास संस्था
पिंगलेश्वर रेल्वे स्टेशन के सामने, मक्सी रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 9575600700, 9754700200 website : babajaigurudevworld.org email : babajaigurudevworld@gmail.com

बाबा उमाकान्त जी महाराज

जन्माष्टमी
15.08.2017

नाम योग साधना शिविर

जगह-जगह लगाने के लिए बाबा जयगुरुदेव संगत के प्रेमियों को
बाबा उमाकान्त जी महाराज की चिट्ठी।

देश विदेश के समस्त बाबा जयगुरुदेव संगत के प्रेमियों को सप्रेम जयगुरुदेव व स्नेह।

आप सभी प्रेमी गुरु महाराज के समय से लेकर आज तक संगत का बाहरी काम जैसे प्रचार - प्रसार व व्यवस्था तो कर रहे हैं लेकिन अन्तर साधना का काम बहुत पिछड़ गया है। खान-पान, चाल -चलन के दुष्प्रभाव से मन चंचल होकर दुनिया की चीजों के लिए लोभी, इच्छा तृप्ति में भोगी, सम्मान के लिए क्रोधी बन कर बुद्धि खराब कर रहा है। यह सत्य है कि अन्तरमुखी साधना से मन कमजोर पड़ता है, कर्म कटते हैं, जीव नर्क-चौरासी, जन्म-मरण से छुटकारा पाता है।

देश विदेश में रहने वाले बाबा जयगुरुदेव संगत के सभी प्रेमियों को सूचना दी जा रही है कि आप लोग अपने-अपने गाँव, ब्लॉक, तहसील में स्थान-स्थान पर समय परिस्थिति के अनुसार साधना शिविर लगाकर साधना करिए और लोगों को कराइए।

नियम की एक रूप रेखा दी जा रही है यथा सम्भव पालन करेंगे तो अच्छा रहेगा।

सुबह 4 बजे घंटी बजने पर उठ जायँ। आधा घंटा में दैनिक क्रिया से निवृत होकर साधना के स्थान पर बैठ जायँ, एक प्रार्थना बोल कर सुमिरन फिर एक घंटा ध्यान व एक घंटा भजन करें।

प्रात: 7 बजे से 9 बजे के बीच जलपान करके प्रात: 9 से 11 बजे तक साधना (ध्यान-भजन) किया जाय। 11 बजे से 2 बजे के बीच भोजन विश्राम करके दोपहर 2 से 4 बजे तक साधना में बैठा जाय फिर शाम को 6 से 8 बजे तक साधना के बाद भोजन विश्राम किया जाय। बीच खाली समय में आपस में परमार्थी बाते की जायँ जिससे प्रेम परतीत, मालिक से मिलने की तड़प जगे, सुमिरन ध्यान बने इसके बारे में अच्छे साधकों से पूंछताछ, चर्चा की जाय। फिजूल की बातों से बचा जायँ और लोगों को भी बचाया जायँ।

नौकरी, व्यापार में व्यस्त लोग सुबह-शाम या रात-दिन में जब भी मौका मिले 24 घंटे में कम से कम 4 घंटे नित्य ध्यान, भजन, सुमिरन जरूर करें। आगे आने वाले खराब समय से बचने व लोगों को बचाने के लिए यह जरूरी है।

संगत के जिम्मेदार सामूहिक ध्यान भजन के लिए जो साधना शिविर लगायेंगे उसमें भोजन, विश्राम, शौच आदि की व्यवस्था पुरुष और महिलाओं के लिए अलग-अलग करेंगे। भण्डारे में रोटी, दाल का पानी, खिचड़ी, नास्ते में दलिया (थूली), चना बनेगा तो बहुत अच्छा रहेगा। साधना करने के लिए भूले-भटके, अगड़े-पिछड़े, नये-पुराने सभी सतसंगी बुलाये जायँ और उनसे प्रेम से बात किया जाय। कोई किसी की भी निन्दा करके उसके कर्मों को अपने ऊपर लादेगा नहीं।

साधना शिविर की कोई भी दिनों की समय सीमा नहीं है। कम से कम 8 दिन, ज्यादा से ज्यादा कितने भी दिन का लगा सकते हैं। व्यवस्था हो जाय तो हमेशा चलता ही रहें।

भोजन बनाने वाले तथा सुरक्षा सेवादार भी समय निकाल कर सुमिरन, ध्यान, भजन अवश्य कर लेंगे।

नोट :- समय परिस्थिति के अनुसार नियम में यथा सम्भव परिवर्तन भी कर सकते हैं।

साधना में बरकत का आकांक्षी
आप सभी का
उमाकान्त
बाबा जयगुरुदेव आश्रम उज्जैन (म.प्र.)
भारत
9754700200, 9575600700
Email-babajaigurudevworld@gmail.com